“A Roadside Stand” **By Robert Frost**

Summary (English):

The poem “A Roadside Stand” highlights the sufferings of poor villagers who set up small stands beside the roads to sell their goods. They expect the rich travelers to stop and buy something so that they can earn money and improve their living conditions. Unfortunately, the rich people hardly care for them. They pass by quickly in their luxury cars, sometimes even complain that these stands spoil the beauty of the landscape. The poor people feel ignored and disappointed. Frost shows the deep gap between the rich and the poor. The rich live comfortably while the poor struggle for their survival. The poet expresses sympathy for the villagers and criticizes the selfishness of the wealthy class. The poem reflects social injustice and the unequal distribution of wealth in society.

Summary (Hindi):

कविता " A Roadside Stand " में गरीब ग्रामीणों की पीड़ा को दिखाया गया है। ये लोग सड़क किनारे छोटे-छोटे स्टॉल लगाकर अपने सामान बेचते हैं। उन्हें आशा रहती है कि अमीर यात्री रुककर कुछ खरीदेंगे, जिससे उनकी आजीविका सुधरेगी। परंतु अमीर लोग अपनी गाड़ियों में तेज़ी से गुजर जाते हैं और कभी-कभी यह भी कहते हैं कि ये स्टॉल प्राकृतिक सुंदरता को बिगाड़ देते हैं। गरीबों की उम्मीदें टूट जाती हैं और वे उपेक्षित महसूस करते हैं। कवि ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को दिखाया है। अमीर सुख-सुविधा में रहते हैं जबकि गरीब कठिनाई से जीवन बिताते हैं। कवि गरीबों के प्रति सहानुभूति और अमीरों की स्वार्थी सोच की आलोचना करता है।

Theme

The poem highlights the sharp contrast between the lives of the poor villagers and the rich urban people. It shows the hardships of rural folk, who depend on small earnings from their roadside stalls. The rich, instead of helping, pass by without concern. The theme revolves around social injustice, inequality, and the neglect of rural life by the wealthy and powerful.

यह कविता गरीब ग्रामीणों और अमीर शहरी लोगों के जीवन के बीच के तीव्र अंतर को उजागर करती है। यह उन ग्रामीण लोगों की कठिनाइयों को दर्शाती है, जो सड़क किनारे अपनी दुकानों से मिलने वाली छोटी-मोटी कमाई पर निर्भर रहते हैं। अमीर लोग मदद करने के बजाय, बेपरवाह होकर गुज़र जाते हैं। यह कविता सामाजिक अन्याय, असमानता और धनी व शक्तिशाली लोगों द्वारा ग्रामीण जीवन की उपेक्षा के इर्द-गिर्द घूमती है।

MGGS Bhilwakhedi

Central Idea

Through the roadside stand, Robert Frost presents the struggles, hopes, and disappointments of poor villagers. They dream that city people will stop to buy their goods and support them, but their hopes are often ignored. The poet expresses sympathy for the villagers and criticizes the selfishness of the rich. The central idea is that true progress of society is possible only when the poor are uplifted and their lives are filled with justice, dignity, and happiness.

सड़क किनारे की दुकान के माध्यम से, रॉबर्ट फ्रॉस्ट गरीब ग्रामीणों के संघर्षों, आशाओं और निराशाओं को प्रस्तुत करते हैं। वे सपना देखते हैं कि शहर के लोग उनका सामान खरीदने और उनकी मदद करने के लिए रुकेंगे, लेकिन उनकी आशाओं को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। कवि ग्रामीणों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हैं और अमीरों के स्वार्थ की आलोचना करते हैं। मूल विचार यह है कि समाज की सच्ची प्रगति तभी संभव है जब गरीबों का उत्थान हो और उनका जीवन न्याय, सम्मान और खुशी से भरा हो।

Explanation with reference to context

"The polished traffic passed with a mind ahead,
Or if ever aside a moment, then out of sorts
At having the landscape marred with the artless paint
Of signs that with N turned wrong and S turned wrong."

Reference:
These lines have been taken from the poem *"A Roadside Stand"* written by Robert Frost.
ये पंक्तियाँ Robert Frost द्वारा रचित कविता " *A Roadside Stand* " से ली गई हैं।

Context:
The poet is describing how rich people in their cars pass by the roadside stands of poor villagers without showing any concern.
कवि वर्णन कर रहा है कि कैसे अमीर लोग अपनी कारों में बिना किसी चिंता के गरीब ग्रामीणों की सड़क किनारे की दुकानों के पास से गुजर जाते हैं।

Explanation:
The poet says that wealthy travelers drive past with no interest in stopping. If by chance they look, they get irritated seeing poorly painted boards with spelling errors. Instead of helping the poor, they criticize their stands for spoiling the beauty of nature. This shows the neglect and insensitivity of the rich towards the poor.
कवि कहता है कि धनी यात्री बिना रुके आगे बढ़ जाते हैं। अगर संयोग से उनकी नज़र पड़ भी जाए, तो वे घटिया रंग से रंगे हुए और वर्तनी की अशुद्धियों से भरे बोर्ड देखकर चिढ़ जाते हैं। गरीबों की मदद करने के बजाय, वे प्रकृति की सुंदरता बिगाड़ने के लिए उनके स्टैंड की आलोचना करते हैं। यह गरीबों के प्रति अमीरों की उपेक्षा और असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

MGGS Bhiwadi